# सत्र 2019–20
## पाठ्यक्रम
## (नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
## बी.पी.ए. प्रथम वर्ष
## प्रथम प्रश्न पत्र
## संगीत का विज्ञान
## (Science of Music)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. तबला वाद्य की बनावट एवं अंगों का सचित्र वर्णन।
2. भारतीय वाद्य वर्गीकरण का सामान्य अध्ययन।

**इकाई–2**

1. तबला वाद्य के उद्‌भव एवं विकास के संबंध में प्रचलित मान्यताओं का परिचय।
2. तबले के घरानों का संक्षिप्त परिचय।

**इकाई–3**

1. तबले पर बजाये जाने वाले प्रारंभिक वर्णों के निकास का शास्त्रीय ज्ञान।
2. भातखण्डे ताललिपि पद्धति का सामान्य ज्ञान।

**इकाई–4**

1. सम, ताली, खाली, मात्रा, विभाग, लय, तिहाई, आवर्तन का पारिभाषिक ज्ञान।
2. तबला वाद्य पर बजाये जाने वाले प्रारंभिक तालों तीनताल, झपताल, कहरवा, दादरा, रूपक को ठाह एवं दुगुन लय में ताललिपि में लिखना।

**इकाई–5**

1. पखावज, तानपूरा, सारंगी, सितार एवं बॉसुरी वाद्यों का सचित्र वर्णन।
2. नाद, स्वर, स्वरों के प्रकार (शुद्ध, विकृत), सप्तक, श्रुति, अलंकार, थाट, राग की परिभाषाएँ।

# सत्र 2019–20
## बी.पी.ए. प्रथम वर्ष
## द्वितीय प्रश्न पत्र
## संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
## (Applied Principels of Music)

समयः 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. ''तिट'' एवं ''तिरकिट'' बोलों पर आधारित तीनताल के प्रारंभिक कायदों को पल्टे एवं तिहाई सहित तालिपि में लिखना।
2. तीनताल, झपताल, कहरवा, दादरा, रूपक तालों को पहचानकर तालिपि में लिखना।

**इकाई–2**

1. टुकडा, मुखडा, कायदा, पे"ाकार, परन, रेला का पारिभाषिक ज्ञान।
2. बडा खयाल, छोटा खयाल, मसीतखानी गत एवं रजाखानी गत का सामान्य परिचय।

**इकाई–3**

1. एकताल, तिलवाड़ा, झूमरा एवं दीपचन्दी तालों का सामान्य परिचय तथा ठाह एवं दुगुन लय में तालिपि में लिखने का अभ्यास।
2. पखावज के तालों चौताल, सूलताल, तीव्रा एवं धमार का सामान्य परिचय ठाह एवं दुगुन लय में तालिपि में लिखने का अभ्यास।

**इकाई–4**

1. पाठ्यक्रम के समान मात्रा वाले तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. प्रारंभिक तालों (तीनताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा) को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में लिखने का अभ्यास।

**इकाई–5**

1. ख्याल, ध्रुपद, धमार, ठुमरी, टप्पा एवं तराना गायन प्रकारों की परिभाषाएँ।
2. तीनताल में पॉचवी, सातवीं, नौवी एवं तेरहवीं मात्रा से प्रारम्भ तिहाईयों को तालिपि में लिखना।

# सत्र 2019–20
## बी.पी.ए. प्रथम वर्ष
## प्रायोगिक
## तबला वादन की तकनीक
## (Technique of Tabla Playing)
## प्रदर्शन एवं मौखिक
## (Demonstration and Viva)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

1. तबला वाद्य पर हाथ का रखाव एवं हस्त संचालन का अभ्यास।
2. तबले के प्रारंभिक वर्णों (संयुक्त एवं असंयुक्त) की जानकारी।
3. प्रारंभिक तालों तीनताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों को हाथ से ताली देकर ठाह एवं दुगुन लय में पढना एवं तबले पर बजाना।
4. तीनताल के ठेके के चार प्रकारों को हाथ से ताली देकर पढना एवं तबले पर बजाना।
5. तीनताल में सामान्य तिहाईयों को तबले पर बजाना।
6. तबला के प्रारंभिक पारिभाषिक शब्दों की जानकारी।

## बी.पी.ए. प्रथम वर्ष
## मंच प्रदर्शन
## (Stage Performance)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

1. तीनताल के ''तिट'' एवं ''तिरकिट'' बोलों पर आधारित प्रारंभिक कायदों को न्यूनतम चार पल्टे एवं तिहाई सहित बजाना।
2. ''तिरकिट'' बोल पर आधारित रेला बजाने का अभ्यास।

### //संदर्भित पुस्तकें//


1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीष चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे

# सत्र 2019–20
# नियमित परीक्षार्थियों हेतु
# बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
# तबला
# प्रथम प्रश्न पत्र
# संगीत का विज्ञान
# (Science of Music)

समय : 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1.तबला एवं पखावज के ऐतिहासिक विकासक्रम का विस्तृत अध्ययन।

2.वाद्य वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन। अवनद्ध वाद्यों के विकासक्रम का अध्ययन।

**इकाई–2**

1. तबले का दिल्ली एवं अजराडा घराना एवं उनकी वादन शैलियों का विस्तृत अध्ययन।
2. तबले का लखनऊ एवं फरूक्खाबाद घराना एवं उनकी वादन शैलियों का विस्तृत अध्ययन।

**इकाई–3**

1. पं. विष्णु नारायण भातखण्डे पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर तालिपि पद्धतियों का परिचय एवं तुलनात्मक अध्ययन।
2. संगीत की परम्परागत एवं आधनिक शिक्षण पद्धतियों का अध्ययन।

**इकाई–4**

1. तबले के दस प्राणों का सामान्य अध्ययन।
2. एकल तबला वादन के क्रम का अध्ययन।
3. लोक संगीत का परिचयात्मक अध्ययन।

**इकाई–5**

1. बाज एवं घरानों का सामान्य अध्ययन।
2. स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग, ध्रुपद, धमार, ठुमरी का सामान्य परिचय।
3. निम्नलिखित तबला वादकों की जीवनियॉ।
   उस्ताद हबीबुद्दीन खॉ, उस्ताद अहमद जान थिरकवा, उस्ताद मुनीर खॉ, उस्ताद नत्थू खॉ, उस्ताद लतीफ अहमद खॉ, उस्ताद शफात अहमद खॉ, उस्ताद हाजी विलायत अली खॉ, उस्ताद शेख दाऊद खॉ।

# सत्र 2019–20
## बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
## द्वितीय प्रश्न पत्र
## भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
## (Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. पाठ्यक्रम के तालों (तीनताल, सवारी, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा, दीपचन्दी, धमार, झूमरा) को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारियों में तालिपि में लिखने का अभ्यास।
2. तिरकिट, घिडनग, किडनग, धिरधिर, क्डांन, धेत्धेत् बोल समूहों की निकास विधि का शास्त्रीय अध्ययन।

**इकाई–2**

1. तीनताल एवं झपताल में कायदा, चार पल्टों एवं तिहाई सहित तालिपि में लिखने का अभ्यास।
2. तीनताल, सवारी, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा, दीपचन्दी, धमार, झूमरा तालों को कुआड, आड एवं बिआड लयकारियों में लिखने का अभ्यास।

**इकाई–3**

1. कहरवा तथा दादरा में न्यूनतम दो–दो लग्गियॉ लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. वायलिन, रूद्रवोणा, सरोद, मृदंगम् का सचित्र वर्णन।

**इकाई–4**

1. तीनताल एवं झपताल में एक रेला चार पल्टों एवं तिहाई सहित लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. परनों के प्रकारों (साधारण, चक्रदार, फरमाईशी एवं कमाली) का अध्ययन।
3. तीनताल में न्यूनतम दो–दो मुखडे एवं दो–दो तिहाईयॉ लिपिबद्ध करने का अभ्यास

**इकाई–5**

1. पेशकार का प्रारम्भिक ज्ञान एवं तीनताल में विस्तार सहित लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. दमदार एवं बेदम तिहाई का उदहारण सहित लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

# सत्र 2019–20
## बी.पी. ए. द्वितीय वर्ष
## प्रायोगिक
## तबला वादन की तकनीक
## (Technique of Tabla Playing)
## प्रदर्शन एवं मौखिक
## (Demonstration and Viva)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

1. पाठ्यक्रम के तालों ( तीनताल, सवारी, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा, दीपचन्दी, धमार, झूमरा) को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में हाथ से ताली देकर पढना तथा तबले पर बजाना।
2. चौताल, सूलताल, तीव्रा तालों को ठाह लय में तबले पर बजाना।
3. तिट, तिरकिट, धिनगिन, घिडनग, किडनग, धिरधिर बोलों का तबले पर निकास।
4. तोनताल का कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित हाथ से ताली देकर पढना।
5. तीनताल में पहली, पाचवी, सातवी, नौवी एवं तेरहवीं मात्रा से प्रारंभ मोहरों का वादन।
6. तबले के घरानों की सामान्य जानकारी।
7. तीनताल में पेशकार एवं कायदे का विस्तार सहित वादन।

## बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
## मंच प्रदर्शन
## (Stage Performance)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

1. तीनताल में एकल वादन (न्यूनतम 10 मिनिट)
2. परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों में से परीक्षक द्वारा पूछे गये किन्हीं चार तालों का एकगुन, दुगुन एवं चौगुन में प्रस्तुतिकरण।

### //संदर्भित पुस्तकें//


1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीष चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे

# सत्र 2019–20
# (नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
# बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
# तबला
## प्रथम प्रश्न पत्र
## संगीत का विज्ञान
## (Science of Music)

समयः 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. भारतीय संगीत के इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन। (13वी. से 15वी. शताब्दी तक)
2. पाश्चात्य ताललिपि पद्धति का अध्ययन।
3. पखावज एवं तबला की वादन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन।

**इकाई–2**

1. अवनद्ध वाद्यों के वर्गीकरण का सामान्य अध्ययन।
2. उत्तर भारतीय संगीत में प्रचलित घन वाद्यों का सामान्य अध्ययन।
3. तबला वादकों के गुण–दोषों का अध्ययन।

**इकाई–3**

1. तबले के बनारस एवं पंजाब घरानों का ऐतिहासिक अध्ययन।
2. तबले के बनारस एवं पंजाब घरानों की वादन शैलियों का अध्ययन।

**इकाई–4**

1. प्राचीन मार्गी ताल पद्धति का सामान्य अध्ययन।
2. खयाल गायन शैली का सामान्य परिचयात्मक अध्ययन।
3. उत्तर भारतीय शास्त्रीय गायन के घरानों का सामान्य परिचयात्मक अध्ययन।

**इकाई–5**

1. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लेखन।
2. निम्नलिखित वरिष्ठ तबला वादकों का जीवन परिचय।

   पं. कंठे महाराज, पं. अनोखेलाल, पं. सामता प्रसाद (गुदई महाराज), पं. कि"ान महाराज, लाला भवानीदीन, उस्ताद अल्लारक्खा खॉ

# सत्र 2019–20
## बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
## तबला
## द्वितीय प्रश्न पत्र
## भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
## (Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. बसंत, रूद्र, जय, शिखर एवं मत्त तालों का परिचय तथा ठाह, दुगुन, तिगुन एव चौगुन लय में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. रूपक अथवा एकताल में एक कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित तालिपि में लिखने का अभ्यास।

**इकाई–2**

1. कर्नाटक संगीत में प्रयुक्त घटम, खंजरी, कांस्य ताल, पणव, पटह, दर्दुर तविल एवं डफ वाद्यों का सचित्र वर्णन।
2. पौन गुन एवं पौने दो गुन लयकारियों का परिचय व विभिन्न तालों को उक्त लयकारियों में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

**इकाई–3**

1. बंदिश एवं इसके प्रकारों का विस्तृत विवेचन। (विस्तारशील एवं अविस्तारशील)
2. झपताल एवं रूपक तालों में मुखडे, टुकडे एवं तिहाईयों को तालिपि में लिखने का अभ्यास।

**इकाई–4**

1. तीनताल में तिहाई, टुकडे, मुखडे, परन, चक्रदार, फरमाई"ाी चक्रदार लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. पेशकार विस्तार सिद्धांतों का अध्ययन।
3. गायन, वादन एवं नृत्य प्रकारों के साथ तबला संगति सद्धांत का अध्ययन।

**इकाई–5**

1. तिहाई रचना सिद्धांतों का अध्ययन।
2. पिछले पाठ्यक्रमों में सीखे गये तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखने का अभ्यास।

# सत्र 2019–20
## बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
## प्रायोगिक
## तबला वादन की तकनीक
## (Technique of Tabla Playing)
## प्रदर्शन एवं मौखिक (Demonstration and Viva)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

1. पिछले पाठ्यक्रमों के तालों सहित बसंत, रूद्र एवं मत्त तालों को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
2. बनारस एवं पंजाब घरानों के प्रमुख बोल समुदायों का वादन।
3. रूपक के कायदे को पल्टों एवं तिहाई सहित हाथ से ताली देकर पढ़ना।
4. उप "ाास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास।
5. शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों को अपेक्षित लय (विलंबित/द्रुत) में बजाने का अभ्यास।
6. रूपक ताल में पे"ाकार, कायदे, रेले, चक्रदार, टुकडे, परन आदि का विस्तार सहित तबले पर बजाने का अभ्यास।

## बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
## तबला वादन की तकनीक
## (Technique of Tabla Playing)
## मंच प्रदर्शन (Stage Performance)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष तीनताल, झपताल, रूपक ताल मे लहरे के साथ वादन। (10 मिनिट)
2. परीक्षक द्वारा पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों में से किन्हीं चार तालों के ठेकों का अपेक्षित लय में वादन।
3. तबला वाद्य को अपेक्षित स्वर में मिलाने का ज्ञान।

### //संदर्भित पुस्तकें//


1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीष चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री

# सत्र 2019–20
# (नियमित परीक्षार्थियां हेतु)
# बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
# तबला
## प्रथम प्रश्न पत्र
## संगीत का विज्ञान
## (Science of Music)

समयः 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. दे"ाी ताल पद्धति का अध्ययन।
2. मार्गी एवं देशी ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
3. छंद एवं ताल का सामान्य परिचय एवं पारस्परिक संबंधों का अध्ययन।

**इकाई–2**

1. 16वी. शताब्दी से वर्तमान तक के संगीत की ऐतिहासिक जानकारी।
2. निम्नलिखित ग्रंथकारों का परिचय।
   पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, स्वाति, मतंग, भरत, शारंगदेव, व्यंकटमखी, सवाई प्रताप सिंह।
3. पखावज के घरानों का सामान्य अध्ययन।

**इकाई–3**

1. अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षरों का सामान्य अध्ययन।
2. वर्तमान समय में तबला वाद्य की उपयोगिता एवं महत्व का अध्ययन।
3. संगीत संबंधी किसी एक प्राचीन ग्रन्थ का विश्लेषणात्मक अध्ययन। (नाट्य शास्त्र, संगीत रत्नाकर, संगीत मकरंद)

**इकाई–4**

1. उत्तर भारतीय ताल वाद्यों का ऐतिहासिक विवेचन।
2. उत्तर भारतीय संगीत में लय एवं ताल के महत्व का अध्ययन।
3. परम्परागत एवं आधुनिक संगीत शिक्षण पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

**इकाई–5**

1. कर्नाटक पद्धति का सामान्य परिचय। एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलनात्मक अध्ययन।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।
3. निम्नलिखित वरिष्ठ तबला एवं पखावज वादकों का जीवन परिचय।
   पं. रमाशंकर दास पागलदास पं. नाना पानसे, पं. कुदऊ सिंह, उस्ताद गामी खॉ, स्वामी रामशंकर, उस्ताद अफाक हुसैन खॉ, उस्ताद अमीर हुसैन खॉ, पं. निखिल घोष।

# सत्र 2019–20
## बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
## तबला
## द्वितीय प्रश्न पत्र
## भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
## (Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. विषम मात्रा के तालों का परिचय तथा ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. तीनताल, एकताल, झपताल एवं रूपक तालों में विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशों का लिपिबद्धकरण।

**इकाई–2**

1. उत्तर भारत में प्रचलित ताल वाद्यों का सचित्र वर्णन।
2. कठिन लयकारियों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
3. केटल ड्रम, स्नेअर ड्रम, बास ड्रम एवं टेनर ड्रम का सचित्र वर्णन।

**इकाई–3**

1. एकताल एवं रूपक ताल में विभिन्न बंदि"ाों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. कायदा एवं रेला के रचना एवं विस्तार सिद्धांत का विवेचन।

**इकाई–4**

1. दिये गये बोलों के आधार पर विषम मात्राओं में टुकडे, मुखडे, तिहाईयॉ, परन आदि लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. संगीत संबंधी किसी एक ग्रन्थ का वि"लेषणात्मक अध्ययन। (ताल प्रकाश, तबला पुराण, भारतीय संगीत में ताल और विधान)

**इकाई–5**

1. गत, परन, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली, नौहक्का, रौ, गत, फर्द की सोदाहरण जानकारी।
2. एकल वादन में प्रयुक्त रचनाओं के क्रम का विस्तृत विवेचन।

# सत्र 2019–20
## बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
## प्रायोगिक
## तबला वादन की तकनीक
## (Technique of Tabla Playing)
## प्रदर्शन एवं मौखिक
## (Demonstration and Viva)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तोर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

1. पिछले पाठ्यक्रमों के तालों सहित विषम मात्रा के तालों को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
2. पखावज के ठेकों को तबले पर पखावज वादन शैली अनुसार बजाना।
3. विभिन्न संगीत प्रकारों के साथ तबला संगति का अभ्यास।
4. एकताल में स्वतंत्र वादन।

## बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
## तबला वादन की तकनीक
## (Technic of Tabla Playing)
## मंच प्रदर्शन
## (Stage Performance)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म +उपस्थिति | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 15+5 | 80 | 100 | 33% |

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष किसी भी ताल में न्यूनतम 15 मिनिट लहरे के साथ स्वतंत्र वादन।
2. तीनताल, एकताल एवं झपताल का द्रुत लय में वादन।
3. तबला वाद्य को अपेक्षित स्वर में मिलाने का ज्ञान।

## //संदर्भित पुस्तकें//


1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीष चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री